दैनिक करेंट अफेयर्स
25 जनवरी 2024

Important News: International

ईरान की सेना को उन्नत घरेलू ड्रोन प्राप्त हुए

चर्चा में क्यों:

- ईरानी सेना को दर्जनों शीर्ष श्रेणी के ड्रोन मिले हैं, जिनमें बहुउद्देशीय अबाबिल-5 और इंटरसेप्टर कर्रार-3 शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु:

- ईरान की सेना ने हाल ही में अपने शस्त्रागार को अत्याधुनिक घरेलू स्तर पर विकसित ड्रोन के साथ बढ़ाया है, जो तकनीकी नवाचार में देश की शक्ति को प्रदर्शित करता है।
- ईरानी सेना को मिले मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) में अबाबिल-4 और अबाबिल-5 ड्रोन, कर्रार-3 ड्रोन और अराश-2 आत्मघाती ड्रोन शामिल हैं।
- अबाबिल-4 और अबाबिल-5 यूएवी अपनी बहुउद्देशीय कार्यक्षमता के लिए जाने जाते हैं, जो टोही और निगरानी, गश्ती मिशन, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, डेटा एकत्रण और हवाई युद्ध को अंजाम देने में सक्षम हैं।
- अराश और बावर ड्रोन सटीक आत्मघाती मिशनों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जो लंबी दूरी की क्षमताओं का दावा करते हैं।

Source: almayadeen

Important News: National

मान सिंह ने एशियाई मैराथन चैंपियनशिप 2024 में स्वर्ण पदक जीता

चर्चा में क्यों:

- भारत के मान सिंह ने हांगकांग में 2024 एशियाई मैराथन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

प्रमुख बिंदु:

- मान सिंह वर्ष 2017 में थोनाकल गोपी के बाद एशियाई मैराथन खिताब जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय बने।
- मान सिंह का प्रदर्शन उत्कृष्ट था, हालांकि पुरुषों की मैराथन में भारत का राष्ट्रीय रिकॉर्ड, जो 1978 में 2:12:00 बजे शिवनाथ सिंह द्वारा बनाया गया था, अभी तक नहीं टूटा है।
- अंतर्राष्ट्रीय मान्यता एशियाई मैराथन चैंपियनशिप जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी सफलता ने लंबी दूरी की दौड़ में भारत की प्रतिष्ठा में काफी सुधार किया है।
- मान सिंह ने क्वालीफाइंग मार्क्स से काफी कम समय में एशियाई मैराथन चैंपियनशिप जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए अपना टिकट पक्का कर लिया।
- मान सिंह ने न केवल एशियाई मैराथन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता, बल्कि पेरिस ओलंपिक के लिए योग्यता भी हासिल की है।
- महिलाओं की स्पर्धा में भारत की अश्विनी जाधव 2:56:42 के समय के साथ आठवें स्थान पर और ज्योति गावटे 3:06:20 के समय के साथ 11वें स्थान पर रहीं। वही पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए महिला मैराथन के लिए प्रवेश मानक 2:26:50 है।

SOURCE: AIR

भारत और मिस्र की सेनाएं 'एक्सरसाइज साइक्लोन' के लिए एकजुट हुईं

चर्चा में क्यों:

- मिस्र और भारत के बीच संयुक्त विशेष बल अभ्यास चक्रवात 22 जनवरी को मिस्र के अंशास में शुरू हुआ। 11 दिवसीय द्विपक्षीय अभ्यास 1 फरवरी को समाप्त होगा।

प्रमुख बिंदु:

- यह अभ्यास 22 जनवरी से 1 फरवरी, 2024 तक अंशास, मिस्र में हो रहा है। यह पिछले वर्ष भारत में आयोजित पहले संस्करण के सफल समापन का अनुसरण करता है।
- भारतीय सेना के पच्चीस सदस्यों ने दूसरे भारत-मिस्र संयुक्त विशेष बल अभ्यास चक्रवात में भाग लेने के लिए मिस्र की यात्रा की है।
- भारतीय दल में पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) के सैनिक शामिल हैं, जबकि मिस्र के दल में मिस्र के कमांडो स्क्वाड्रन और मिस्र के एयरबोर्न प्लाटून के 25 कर्मी शामिल हैं।
- अभ्यास-साइक्लोन का प्राथमिक उद्देश्य भारतीय और मिस्र दोनों सेनाओं को एक-दूसरे की संचालन प्रक्रियाओं से परिचित कराना है, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के तहत रेगिस्तानी और अर्ध-रेगिस्तानी इलाकों में विशेष अभियानों के संदर्भ में।: यह अभ्यास रणनीतिक रूप से डिजाइन किया गया है द्विपक्षीय सैन्य सहयोग बढ़ाना और दोनों सेनाओं के बीच संबंध मजबूत करना। इसमें चर्चा और सामरिक सैन्य अभ्यास का पूर्वाभ्यास शामिल है।
- इस अभ्यास के माध्यम से, दोनों दलों को अपने संबंधों को गहरा करने और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने का मौका मिलेगा।
- यह अभ्यास सामान्य सुरक्षा लक्ष्यों की पूर्ति में सहायता करेगा और दोनों मित्र देशों के बीच संबंधों को मजबूत करेगा।

SOURCE: PIB

सीरम इंस्टीट्यूट वैक्सीन निर्माताओं के सीईपीआई नेटवर्क से जुड़ा

चर्चा में क्यों:

- सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (SII) ग्लोबल साउथ में वैक्सीन उत्पादकों के CEPI नेटवर्क में शामिल होगा।

प्रमुख बिंदु:

- इस नेटवर्क में शामिल होने का उद्देश्य 100 दिनों के मिशन को पूरा करना है, जो मांग करता है कि महामारी के खतरे का पता चलने के तीन महीने के भीतर, वर्तमान या उभरती संक्रामक बीमारियों के खिलाफ नए टीके विकसित किए जाएं और साथ ही भविष्य में होने वाली बीमारी के प्रकोप के लिए अधिक तीव्र, अनुकूलनीय और न्यायसंगत प्रतिक्रिया दी जाए।
- एसआईआई की विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए महामारी की रोकथाम के लिए समर्पित वैश्विक सहयोग सीईपीआई द्वारा 30 मिलियन डॉलर तक का निवेश किया जाएगा।
- यह परियोजना टीकों के त्वरित विकास और प्रारंभिक महामारी की पहचान के लिए उन्नत निगरानी के साथ रोग संचरण को सीमित करने के लिए परीक्षण, संपर्क अनुरेखण और सामाजिक दूरी जैसी गतिविधियों को जोड़ती है।
- सीईपीआई का मानना है कि इस पद्धति को अपनाने से, दुनिया को संभावित रोगजनक जोखिमों को रोकने और प्रबंधित करने का एक बड़ा अवसर मिलेगा, जिससे सीओवीआईडी -19 के विनाशकारी प्रभावों को रोका जा सकेगा।
- विनिर्माण नेटवर्क ग्लोबल साउथ में वैक्सीन निर्माताओं पर ध्यान केंद्रित करेगा, खासकर उन क्षेत्रों में जहां निपाह, डिजीज एक्स, लासा फीवर और सीईपीआई द्वारा प्राथमिकता वाले अन्य संक्रमण जैसे वायरस का प्रकोप होने की संभावना है। अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, कैरेबियन, अधिकांश एशिया (कुछ देशों को छोड़कर), और ओशिनिया (ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को छोड़कर) को व्यापक रूप से ग्लोबल साउथ का हिस्सा माना जाता है।
- संक्रामक रोग के प्रकोप पर तुरंत प्रतिक्रिया करने की एसआईआई की क्षमता बढ़ाने के लिए सीईपीआई द्वारा $30 मिलियन तक का निवेश किया जाएगा। इस फंडिंग के साथ, SII समय पर महामारी और महामारियों से

निपटने के लिए प्रायोगिक टीकाकरण प्रदान करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित होगा। जब कोई महामारी फैलती है, तो साझेदारों के लिए प्रौद्योगिकी को शीघ्रता से स्थानांतरित करना संभव हो जाएगा, जिससे उचित मूल्य वाले टीकाकरण के विकास और वितरण में तेजी आएगी।

SOURCE: The Hindu

तेलंगाना गृह ज्योति योजना का अनावरण करेगा

चर्चा में क्यों:

- तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कल्याणकारी योजनाओं में तेजी लाने के लिए फरवरी 2024 में बहुप्रतीक्षित गृह ज्योति योजना शुरू करेंगे।

प्रमुख बिंदु:

- 'गृह ज्योति' योजना, जो घरेलू उपयोगकर्ताओं को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करेगी।
- तेलंगाना सरकार ने स्पष्ट किया कि केवल वे व्यक्ति जिन्होंने दिसंबर 2023 और जनवरी 2024 के लिए अपने बिजली बिल का भुगतान किया है, वे इस योजना के लिए पात्र हैं।
- इस योजना के एक हिस्से के रूप में, गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) कार्ड रखने वाले प्रत्येक परिवार को फरवरी से 200 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी। 200-यूनिट सीमा के भीतर बिजली की खपत वाले घरों के लिए, कोई बिजली शुल्क नहीं लिया जाएगा।

Source: Deccan Chronicle

भारत हांगकांग को पछाड़कर दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया

चर्चा में क्यों:

- ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का शेयर बाजार पहली बार वैश्विक स्तर पर चौथे सबसे बड़े इक्विटी बाजार के रूप में हांगकांग से आगे निकल गया है।

प्रमुख बिंदु:

- ब्लूमबर्ग द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, भारतीय एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध शेयरों का संयुक्त मूल्य 22 जनवरी तक 4.33 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जबकि हांगकांग के लिए 4.29 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर था।
- भारत का शेयर बाजार पूंजीकरण 5 दिसंबर को पहली बार 4 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गया था। भारतीय शेयर बाजार में तेजी तेजी से बढ़ते खुदरा निवेशक आधार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) से निरंतर प्रवाह, मजबूत कॉर्पोरेट आय और घरेलू व्यापक आर्थिक बुनियादी मजबूती के कारण आई है।
- इसके अलावा, भारत ने अपने स्थिर राजनीतिक ढांचे और उपभोग-संचालित अर्थव्यवस्था के कारण वैश्विक निवेशकों और कंपनियों से नई पूंजी आकर्षित करके खुद को चीन के विकल्प के रूप में स्थापित किया है, जो सबसे तेजी से बढ़ते प्रमुख देशों में से एक है।
- दूसरी ओर, हांगकांग के बाज़ारों में गिरावट आई है, जहाँ चीन की कुछ सबसे प्रभावशाली और नवोन्वेषी कंपनियाँ सूचीबद्ध हैं। चीनी और हांगकांग के शेयरों का कुल बाजार मूल्य 2021 में अपने चरम के बाद से $6 ट्रिलियन से अधिक गिर गया है।
- विदेशी फंडों ने 2023 में भारतीय शेयरों में 21 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया, जिससे देश के बेंचमार्क एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स को लगातार आठवें साल बढ़त हासिल करने में मदद मिली।

Source: Mint